शुभ ट्रेक नम्बर 0007 दिनांक 18.2.2021

कलाकार विवरण.

नाम- आरबखान पिता का नाम- सतार खान

पता- तामलोर जाति- मागणियार

आयु- 40 वाद्‌य का विवरण- हारमोनियम

कला का विवरण- बादलनाथ की गाथा-

① बादलनाथ की गाथा ⇒ बाबा बादलनाथ की कथा का वाचन गीत के रूप मे किया गया। इसमें स्वामीजी के मठ की व्याख्या, मुकुट की व्याख्या की गई। इस मठ मे सब लोगो का सम्मान किया जाता है। इसमे बाबा के घोडे की भी व्याख्या की गई है

② हेल्मकरीयाँ ⇒ इस गीत का मुख्य उद्देश्य की हेल्मकरीया- यानी ऊँट को कहा गया है ऊँठ की सवारी, ऊँट का श्रृंगार व ऊँट की व्याख्या की गई है यानी की ऊँट की सवारी कर दूरी को तय करना व ऊँट को सवारना, सजाना, व सवारी के लिए तैयार करना, हेल्म करीया, झूरणा करियो. के नाम से जाना गया है

③ माता जगतम्बा की गाथा ⇒ माता जगतम्बा की गाथा का वर्णन इन शब्दो मे किया गया है जागी रे जागी रे जोत दिवला री जोत जागी रे, मत रे कर रे रोसणो, यानी माता जगतम्बा की पूर्ण व्याख्या. इस भजन से किया गया है माता के धूप ध्यान व दीप प्रज्वलन की भी व्याख्या की गई पेल भवानी रे बात पूछो पछे काम हुआ इस प्रकार से माता भवानी के भजन से सुख सम्पन्न का वर्णन किया गया।